नगर वन उर्दना में आयोजित हुआ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम

- 'एक पेड़ मां के नाम': वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने मां के साथ लगाया पीपल का पेड़
- पेड़ को जीवित रखने के संकल्प के साथ करें वृक्षारोपण-वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी
- 'पीपल डिस्ट्रीक' बनाने का किया आव्हान
- पूरे जिले में हुआ वृहत वृक्षारोपण

रायगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आरंभ किया है। जिसके तहत वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी आज उर्दना स्थित नगर वन में अपनी मां कौशल्या देवी चौधरी के नाम पर उनके साथ पीपल

का पेड़ लगाया।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का उतना ही महत्व है जितना मानव जीवन का। पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को प्रकृति के बीच जीवन-यापन की परंपरा का निर्वहन करना चाहिए। इसके लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और पेड़ों की रक्षा वैसे ही करनी चाहिए जैसे हम अपने बच्चों की करते हैं। किसी भी पेड़ लगाने से ज्यादा उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने स्थानीय देशी किस्म के पौधे जिनकी आयु ज्यादा है उन्हें प्राथमिकता के साथ रोपण करने को कहा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हर व्यक्ति अपने जन्मदिन, माता-पिता के जन्मदिन पर एक पेड़ अवश्य लगाये और जीवित रखें। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि हम सब मिलकर ऐसा प्रयास करे कि आने वाले दो सालों में 50 हजार से ज्यादा पीपल के पेड़ जिले में विकसित हो सके, ताकि रायगढ़ जिला पीपल डिस्ट्रीक के नाम से जाना जा सके, तभी हम एक नई संस्कृति का विकास कर पायेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि रायपुर में कलेक्टर रहते हुए उन्होंने पीपल फॉर प्यूपिल अभियान चलाया था। आज इसी प्रकार नवा रायपुर में भी अभियान चलाकर लगभग 70 हजार पीपल के पौधे रोपे जा रहे है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने डीएफओ रायगढ़ को नगर वन के ऊपरी क्षेत्र में ट्रेरकिंग ट्रेल, वॉच टावर एवं ईको टूरिज्म के रूप में विकसित के निर्देश दिए।

लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का सिलसिला आज पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसी आव्हान पर हम सब इस कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मना रहे है। गांव-गांव में भी सभी परिवार इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के लिए एक पेड़ लगाना बहुत ही महान काम है। एक पेड़ मां के समान है। जैसे मां अपने बच्चों को सजाती एवं संवारती है, भोजन कराती है, ठीक उसी तरह एक पेड़ हमें फल एवं शुद्ध हवा देती है। जिससे हम आज खुली सांस ले पा रहे है। इसलिए मेरा सभी से आग्रह है कि आप भी अपने मानव जीवन में एक पौधे लगाये और उसे पेड़ बनते तक देखभाल करें।

राज्य सभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है। इसे सहेजकर रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण के बिना मनुष्य के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हम सब एकजुट होकर पर्यावरण के सुधार के लिए ऐसा प्रयास करें कि रायगढ़ जिला ग्रीन रायगढ़ के नाम से जाना जाए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम पूनम सोलंकी, विजय अग्रवाल, पंकज कंकरवाल, आशीष ताम्रकार, सुरेश गोयल, सुषमा खलखो, सत्यनारायण बाबा की माता, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, वनमंडलाधिकारी रायगढ़ स्टायलो मण्डावी, वन मंडलाधिकारी धरमजयगढ़ अभिषेक जोगावत सहित गणमान्य नागरिक एवं जनसामान्य उपस्थित रहे।

विभिन्न किस्म के 611 से अधिक लगाए पौधे- डीएफओ रायगढ़ स्टायलो मण्डावी ने जानकारी दी कि आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, जनसामान्य एवं बच्चो द्वारा पीपल, बरगद, आम, करंज, आंवला, नीम, अमलतास, शोभागर पॉम ट्री एवं चंपा जैसे विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। यहां जन सामान्य के लिए 2 कि.मी. का वाकिंग ट्रैक बनाया गया है। जहां शहरवासी अपनी मां के नाम या विशेष अवसर पर वृक्षा रोपण कर सकते है।

वित्त मंत्री चौधरी ने पौध वितरण वाहन को दिखाई हरी झंडी- आयोजित कार्यक्रम में वित्त मंत्री चौधरी ने शहरवासियों को नि:शुल्क पौधा वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण कर हस्ताक्षर अभियान का भी हिस्सा बने। उल्लेखनीय है कि पौध रोपण को प्रोत्साहित करने 1 जुलाई से वन विभाग द्वारा जन सामान्य के पौध रोपण के लिए पौधों का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। ताकि जनसामान्य को फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे आसानी से प्राप्त कर अपने घर एवं आस पास के क्षेत्रों में रोपण कर सके।

वृहत वृक्षारोपण के लिए जिले में चल रहा पीपल फॉर प्यूपिल अभियान- सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर के तर्ज पर जिले में भी पीपल फॉर प्यूपिल अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के 549 ग्राम पंचायतों में लगभग 8 लाख पौधे रोपे जायेंगे। जिसमें नगरीय क्षेत्र में 5 हजार से अधिक एवं 2500 से अधिक स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में वृक्षारोपण किया जाएगा। इसी तरह 200 अमृत सरोवर एवं डबरी निर्माण कर वृक्षारोपण किया जाएगा। साथ ही पीपल फॉर प्यूपिल अभियान के तहत औद्योगिक क्षेत्रों में 10 हजार पीपल के पेड़ रोपे जायेंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

8 लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। दंतेवाड़ा पुलिस की ओर से चलाए जा लोन वर्राटू अभियान से जवानों को सफलता मिल रही है। इसी के तहत नक्सलियों की खोखली विचारधारा को छोडक़र समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए 8 लाख इनामी माओवादी ने आज सुरक्षा बल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित माओवादी ईरपानार और कडियामेटा क्षेत्र में हुई बड़ी घटनाओं में शामिल था। मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित माओवादी पामेड एरिया कमेटी में पार्टी सदस्य के रूप में और दंडकारण्य सब जोनल कमेटी में कम्युनिकेशन टीम सदस्य के रूप में कार्य कर चुका है।

अरविंद सिंह और त्रिलोक सिंह ढिल्लन की 11 जुलाई तक बढ़ी रिमांड

5 दिन आमने सामने बैठा कर ईडी करेगी पूछताछ

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला केस में कोर्ट ने अरविंद सिंह और त्रिलोक सिंह ढिल्लन की रिमांड 11 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। अब इन दोनों आरोपियों से ईडी अगले 5 दिन तक पूछताछ करेगी। इससे पहले, ईडी ने रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम ने 3 दिन अरविंद सिंह और त्रिलोक सिंह ढिल्लन को एक साथ बैठाकर पूछताछ की थी। दोनों ने पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। दोनों पर आरोप है कि, शराब घोटाला मामले की काली कमाई में उन्हें भी हिस्सा मिलता था। ईडी ने 2024 में नई ईसीआईआर दर्ज करने के बाद सबसे पहली गिरफ्तारी रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा की गिरफ्तारी की थी। ईडी ने कहा था कि शराब घोटाले में अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाया और उस सिंडिकेट को सबसे ज्यादा पावर अनिल टुटेजा से मिलती थी, जो कंट्रोलर की भूमिका में थे। ईडी ने उन्हें आर्किटेक्ट ऑफ लिकर स्कैम बताया था।

ट्रक में लोड 10 टन अवैध कबाड़ के साथ ट्रक जब्त, पूंजीपथरा पुलिस की कार्यवाई

रायगढ़

अवैध कबाड़ पर कार्यवाही को लेकर पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक राकेश मिश्रा द्वारा मुखबीर लगाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कल दोपहर थाना प्रभारी पूंजीपथरा को मुखबीर से एक ट्रक में अवैध कबाड़ लेकर ड्राइवर स्थानीय प्लांट में खपाने लाये जाने की सूचना मिली। तत्काल पूंजीपथरा पुलिस द्वारा तमनार चौंक पूंजीपथरा के पास मुखबीर के बताये ट्रक सीजी 04 एन.क्यू. 1858 को रोक कर चेक किया गया जिसमें भारी मात्रा में लोहे के स्क्रैप लोड थे। वाहन चालक प्रमोद साहू पिता परमेश्वर साहू उम्र 22 साल निवासी डूमरतराई थाना माना रायपुर के पास स्क्रैप परिवहन का कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने से पूंजीपथरा पुलिस द्वारा अवैध कबाड़ को धारा 35(क)(ड) BNSS/303(2)BNS के तहत कार्यवाही कर वाहन में लोड 10 टन स्क्रैप मय ट्रक क्रमांक सीजी एन.क्यू. 1858 को जप्त किया गया तथा आरोपी वाहन चालक प्रमोद साहू पर धारा सदर के तहत इस्तगासा तैयार न्यायालय पेश किया गया है। टीआई राकेश मिश्रा के हमराह कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक विजय एक्का, जयराम सिदार और प्रधान आरक्षक विनीत तिर्की शामिल थे।

कोसीर और सरसीवां में रेत के अवैध परिवहन में शामिल 06 ट्रैक्टर जब्त

सारंगढ़ - बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश पर खनि अधिकारी हीरादास भारद्वाज के मार्गदर्शन में खनिज एवम पुलिस विभाग के सयुंक्त दल द्वारा सरसीवा और कोसीर क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। ग्राम पेंड्रावन में खनिज रेत के 04 तथा 01 ट्रैक्टर चूना पत्थर के अवैध परिवहन में संलिप्त पाया गया। इन 05 ट्रैक्टर को जप्त कर थाना सरसीवा और 01 ट्रैक्टर को कोसीर थाना के सुपुर्दगी में दिया गया। इस प्रकार कुल 06 ट्रैक्टर की जप्ती की गई है।

यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवम् ख़ान एवं खनिज विकास आधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की जाएगी।साथ ही अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण की कार्यवाही आगे भी निरंतर कलेक्टर के निर्देश पर की जायेगी। जांच टीम में दीपक पटेल अनुराग नंद सहित पुलिस कर्मी शामिल हुए।

सिक्योरिटी गार्ड से मारपीट करने वाले ट्रैक्टर मैकेनिक को तमनार पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा रिमांड पर, आरोपी गया जेल

रायगढ़

बीते 02 जुलाई को थाना तमनार में JPL पावर प्लांट तमनार में सिक्युरिटी गार्ड का काम करने वाले भुवन लाल जायसवाल द्वारा हुंकराडीपा के रमेश पटेल द्वारा मारपीट करने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराया गया। रिपोर्टकर्ता भुवन लाल ने बताया कि 2 जुलाई के दोपहर उसकी B शिफ्ट में दोपहर 2 से रात 10 बजे तक ट्रैफिक कंट्रोल में ड्यूटी थी, इसके सोनू कुमार भी साथ ड्यूटी पर था। रात्रि करीब 9:00 बजे रमेश पटेल शराब पीकर आया और अनाप-शनाप कहते हुए गाली गलौज कर कुर्सियों को तोड़ने लगा मना करने पर डंडे से इसे और सोनू को मारपीट किया, मारपीट की रिपोर्ट पर तमनार थाने में आरोपी रमेश कुमार चौधरी पर अपराध क्रमांक 177/2024 धारा 296, 351(2),115(2), 324 (4) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आहतों का मेडिकल कराया गया, मेडिकल रिपोर्ट में आहट सोनू कुमार के चोट में फैक्चर होना लेख है प्रकरण में धारा 118(2) BNS जोड़ा गया तथा फरार आरोपी ट्रैक्टर मैकेनिक रमेश चौधरी की पतासाजी किया गया जो गांव से फरार था जिसे आज मुखबीर सूचना पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी रमेश कुमार चौधरी पिता स्वर्गीय गजाधर चौधरी उम्र 38 साल निवासी हुंकराडीपा थाना तमनार को कल शाम तमनार पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया। जहां आरोपी का जेल वारंट जारी होने पर आरोपी को जेल दाखिल कराया गया है। थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में आरोपी की पतासाजी, गिरफ्तारी की कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक खेमराज पटेल, प्रधान आरक्षक देव प्रसाद राठिया, अनूप कुजूर और आरक्षक पुष्पेंद्र सिदार की विशेष भूमिका रही है।

डीईओ डॉ वर्षा बंसल एवं पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा ने स्काउट गाइड को किया प्रेरित

- जिला स्काउट गाइड का राज्य पुरस्कार पूर्वाभ्यास शिविर का हुआ समापन

सारंगढ़ बिलाईगढ़

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ सारंगढ़ बिलाईगढ़ के जिला शिक्षाधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त डॉ वर्षा बंसल के निर्देशानुसार पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार पूर्वाभ्यास जांच शिविर का आयोजन जिला कार्यालय सारंगढ़ में सम्पन्न हुआ। इसका समापन जिला शिक्षाधिकारी डॉ वर्षा बंसल (डिप्टी कलेक्टर) एवं पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा (आईपीएस) के मुख्य आतिथ्य में तथा जिला आयुक्त स्काउट नरेश चौहान, एबीईओ मुकेश कुर्रे, आर के जांगड़े के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। शिविर संचालक लिंगराज पटेल ने शिविर प्रतिवेदन में बताया कि इस शिविर में पूरे जिले के विभिन्न विद्यालय से 45 स्काउट गाइड राज्य पुरस्कार की तैयारी हेतु सभी गतिविधियों में भाग लिए तथा शिविर संचालक गाइड धात्री नायक ने बताया कि इस शिविर के दौरान इन्हें राज्य पुरस्कार में पूछे जाने वाले विभिन्न प्रश्न, प्रयोग आदि की तैयारी करवाई गई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के आसंदी से डॉ वर्षा बंसल द्वारा बच्चों को कड़ी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया तथा कैरियर के लिये उपयोगी टिप्स दिए। पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा ने स्काउट गाइड के बारे में जानकारी प्राप्त कर स्वयं के जीवन की सफलता की कहानी बताते हुए कठिन परिश्रम करते हुए दृढ़ निश्चय होकर लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। इस पर जानकारी देते हुए उन्होंने बच्चों को किसी भी प्रकार से शंका होने पर बेझिझक प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया।

स्काउट शिवम दुबे ने एसपी को स्काउटिंग गतिविधि के बारे में जानकारी दी। गाइड तासीम ने पूछा कि नीट की तैयारी कैसे करें एवं झिझक कैसे दूर करें। इस पर एसपी ने स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने प्रेरित किया। शिविर आब्जर्वर शंकर लाल साहू (जिला प्रशिक्षण आयुक्त) ने स्काउटिंग इतिहास एवं इस शिविर के दैनिक कार्यक्रम की जानकारी दी। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष पूनम सिंह साहू ने अपनी लिखित एवं संकलित पुस्तक योग एक दक्षता बैज डॉ वर्षा बंसल एवं आईपीएस पुष्कर शर्मा को भेंट किया एवं स्काउटिंग से बच्चों को होने वाले लाभ के बारे में बताए।

यह पूर्वाभ्यास जांच शिविर , शिविर संचालक एवम जिला संगठन आयुक्त द्वय (स्काउट एवम गाइड) एल आर पटेल एवं धात्री नायक, आब्जर्वर एवं डीटीसी एसएल साहू, मुख्य परीक्षक, जिला कोषाध्यक्ष पीएस साहू, जिला मुख्यालय आयुक्त पवन कुमार नायक, सहायक शिविर संचालक ओंकारेश्वर श्रीवानी, एसएल काठे, पार्वती वैष्णव, रुक्मणी देवांगन, वृंदा साहू , कन्हैया लहरे तथा क्वार्टर मास्टर ओम प्रकाश चौहान आदि के विशिष्ट निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन समयलाल काठे एवं आभार व्यक्त पवन कुमार नायक ने किया।

देर रात परेशान भटक रही महिला को कोतरारोड पुलिस और डायल 112 ने परिजनों से मिलाया

रायगढ़

रात गस्त दौरान डायल 112 कमांड कंट्रोल रायपुर से कोतरारोड़ राइनो को गोरखा क्षेत्र में गुम महिला (28 साल) मिलने का इवेंट मिला। कोतरारोड राइनो में कार्यरत आरक्षक घनश्याम सिदार और ईआरवी वाहन चालक मौके पर पहुंचे। महिला से उसके नाम, पता पूछताछ पर महिला के बातचीत से महिला परेशान और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लगी। आरक्षक घनश्याम सिदार द्वारा थाना प्रभारी कोतरारोड निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी को इवेंट से अवगत कराते हुए बताया कि महिला कभी चन्द्रपुर, कभी परसदा की रहने वाली हूं बता रही है। थाना प्रभारी कोतरारोड़ द्वारा रायगढ़ और चन्द्रपुर के ग्राम परसदा के सरपंच को महिला की तस्वीरें शेयर कर जानकारी लिया गया जिसमें ग्राम सरपंच ने महिला को उसके गांव की नहीं होना बताएं। देर रात थाना प्रभारी और स्टाफ चंद्रपुर आसपास के गांव में महिला की तस्वीरें शेयर कर गांव के प्रमुख लोगों से महिला के संबंध में पूछताछ किया गया तथा महिला को सखी सेंटर रूकने की व्यवस्था कराये, तभी ग्राम गोपालपुर, थाना चन्द्रपुर के रहवासी ने महिला को उनके गांव की होना बताया। महिला के परिजनों से संपर्क कर थाना कोतरारोड़ बुलाया गया और महिला को सखी सेंटर से थाना लाये। महिला के परिजनों के थाने आने पर पूछताछ किया गया जिसमें वे महिला को बिना बताए घर से चले जाना और उसकी मानसिक ठीक नहीं होना बताये। कोतरारोड़ पुलिस द्वारा औपचारिकताएं पूर्ण कर महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। 'डायल 112' सेवा एक ऐसा नंबर है जिस पर कॉल करने पर पुलिस, फायर और एंबुलेंस की सुविधा मिलती है। डॉयल 112 में कार्यरत जवान पीड़ित को हर संभव मदद पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

परिवार न्यायालय में न्यायमित्र से अभद्रता, न्यायालयीन कार्य बाधित करने वाला आरोपित गया जेल

रायगढ़

दिनांक 06/07/2024 को परिवार न्यायालय रायगढ़ के प्रस्तुतकर प्रबोध टोप्पो द्वारा थाना चक्रधरनगर में आरोपित गोविंद परधान पर न्यायालय के अंदर न्यायमित्र के साथ अभद्रता करने तथा न्यायालयीन कार्य बाधित करने के संबंध में कार्यवाही को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आरोपित के विरूद्ध प्राप्त आवेदन अनुसार कल परिवार न्यायालय रायगढ में धारा 125 के अंतर्गत प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक गोविन्द परधान उपस्थित होना था। दोपहर करीब 03:15 बजे आवेदिका साक्ष्य हेतु न्यायालय में अपने न्यायमित्र आशीष कुमार मिश्रा के साथ उपस्थित हुई। इसी दौरान उभयपक्ष को समझाईश दिया जा रहा था। इसी दौरान अनावेदक गोविन्द परधान के द्वारा आक्रोशित होकर आवेदिका के न्यायमित्र आशीष कुमार मिश्रा को गुस्से में आकर उगली दिखाते हुए बदतमीजी से बात किया गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। अनावेदक के कृत्य से न्यायालय का कार्य बाधित हो गया है तथा न्यायालय के अंदर गंभीर कृत्य है। साथ ही न्यायालय के गरिमा पर विपरीत प्रभाव पड़ा। आवेदन पर थाना चक्रधरनगर में आरोपित गोविंद प्रधान पर अपराध क्रमांक 333/2024 धारा 221, 267, 332(c), 351(2) बीएनएस एवं न्यायालय अवमान अधिनियम 1971 की धारा 12 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर चक्रधरनगर पुलिस द्वारा आरोपी गोविंद परधान पिता गणेश परधान 46 वर्ष निवासी चांदमारी थाना सिटी कोतवाली रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रायगढ़ के न्यायालय पेश किया गया। माननीय न्यायाधीश महोदय द्वारा आरोपी के कृत्य पर जेल वारंट जारी किए जाने पर चक्रधरनगर पुलिस द्वारा आरोपी गोविंद परधान को जेल दाखिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में स्थानीय बोली में प्रारंभिक शिक्षा जल्द

- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने महत्वपूर्ण कदम
- 18 स्थानीय भाषाओं-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें की जा रही तैयार
- पहले चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंडी और कुडुख में कोर्स होंगे तैयार

नई दिल्ली। आरएनएस

छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों के बच्चे स्थानीय बोली व भाषा में जल्द ही पढ़ाई कर सकेंगे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए विष्णुदेव सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत सरकार आदिवासी अंचलों में बच्चों को उनकी स्थानीय बोली और भाषा में शिक्षा देने की पहल शुरू कर रही है।

इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ाना है, जिससे बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त कर सकें और अपनी संस्कृति से जुड़े रहें। बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें स्कूल में नामांकन के लिए प्रेरित करने के लिए नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में शाला प्रवेशोत्सव मनाया जाता है। इस बार राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के दूरस्थ आदिवासी जिले जशपुर के बगिया गांव में किया गया। राजधानी रायपुर से हटाकर इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम ने राज्य के सुदूर कोने तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा इससे बच्चों की समझ और सीखने की प्रक्रिया में सुधार होगा। वहीं, यह पहल स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में भी मददगार होगी। इस पहल के तहत पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण सामग्री को स्थानीय बोलियों में अनुवादित किया जाएगा और शिक्षकों को भी इन भाषाओं में प्रशिक्षित किया जाएगा।स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में 18 स्थानीय भाषाओं-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। पहले चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंडी और कुडुख में कोर्स तैयार होंगे। इसके लिए प्रदेशभर के साहित्यकारों, लोक कलाकारों, संकलनकर्ताओं की मदद ली जाएगी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक और शिक्षकों से भी सहयोग लिया जाएगा। हाई स्कूल बगिया के प्रधानाचार्य दिनेश शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा आदिवासी बच्चों में प्रतिभाएँ होती हैं। स्थानीय बोली में शिक्षा से आदिवासी अंचलों के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को आगे बढऩे का मौका मिलेगा।

राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री ने जशपुर के सरकारी स्कूल के अटल टिंकरिंग लैब में रोबोटिक्स मॉडल विकसित करने वाले छात्रों के साथ बातचीत करते हुए छात्रों के साथ मिट्टी के बर्तन बनाकर प्रीवोकेशनल गतिविधियों में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने सरकारी स्कूलों में हर साल ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किए जाने की भी घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए राज्य सरकार इस साल से दो बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने बताया पीएमश्री के तहत राज्य में प्रथम चरण में 211 स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480